



CIN : U45203MP2004SGC016758

मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन लि. 75

(म.प्र. राज्य राजमार्ग प्राधिकरण)
(म.प्र. शासन का उपक्रम)

45-ए, अरेरा हिल्स, भोपाल-462011

आज़ादी का
अमृत महोत्सव

☎ : (ऑफिस) 0755-2597290/2765205, फैक्स : 0755-2572643, वेबसाइट : mprdc.gov.in

क्र. 4370 / एमपीआरडीसी / डीएम-1 भोपाल / 2023

भोपाल, दिनांक: 17 / 04 / 2023

प्रति,

✓ वन मंडलाधिकारी,
सामान्य वनमंडल,
जिला - सीहोर

विषय: सीहोर जिले में सिद्धिकगंज-हाटपिलिया मार्ग उन्नयन/चौड़ीकरण हेतु 3.720 हेक्टेयर वनभूमि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम भोपाल को उपयोग पर देने बाबत।


संदर्भ: प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध) का पत्र क्र. एफ-5 / 1198 / 2022 / 10-11 / 1494 भोपाल दिनांक 12.04.2023.

उपरोक्त विषयांतर्गत एवं संदर्भ में लेख है कि संदर्भित पत्र द्वारा चाही गयी जानकारी निम्नानुसार है:-

S.No.	Query	Compliance
1.	Full KML file of layout plan of forest area and non-forest area of road need to be submitted.	प्रस्तुत मार्ग की पूर्ण KML File ऑनलाइन प्रकरण भाग-1 के बिंदु क्र. C (ii) (b) पर 3.72 हेक्टेयर अपलोड कर दी गयी है।
2.	Details of NFL involved in project need to be submitted.	Non Forest Land involved in the project is 9.0 ha. Area Calculation sheet is attached.
3.	Detailed muck disposal scheme need to be submitted.	मार्ग निर्माण के पश्चात खुदाई से निकलने मलवे (MUCK) का उपयोग Embankment बनाने में किया जायेगा तथा अनुपयोगी ष्टि को सड़क सड़क के किनारे निचले भाग में समतलीकरण में उपयोग किया जायेगा।
4.	Justification for location of the project in forest land (counter signed by DFO) need to be submitted / uploaded.	Enclosed
5.	No objection certificates of concerned department (railway, WRD, TL, etc.) need to be submitted.	As there is no Railway line between Siddhikaganj to Hatpiliya Road and no WRD major projects therefore NOC is not required

6.	Road side plantation scheme needs to be submitted.	We have a provision of road side plantation in the sanction estimate. As per Norms we have an estimate of Rs 3150316.80 to plant 10 times of trees to be cut on both sides in each km, These tree plantation will be done by our EPC Contractor with 5 years maintenance period & suitable tree Protection work will be carried out by the same EPC Contractor. Now as per instruction the road side plantation scheme will be prepared in consultation with forest department & will be implemented through EPC Contractor. Copy of Cost Estimate for Horticulture is enclosed.
7.	Administrative approval needs to be submitted.	आवेदक संस्थान में प्रकरण मे म.प्र.शासन लोक निर्माण विभाग भोपाल की प्रशासकीय स्वीकृति दिनांक 26-10-2021 की प्रति संलग्न है।
8.	As per DSS analysis, KML is not properly marked along with existing road. For some areas the KML is shifted outside of the existing road. This needs to be Clarified.	प्रस्तवित मार्ग की पूर्ण KML File ऑनलाइन प्रकरण भाग-1 के बिंदु क्र. C (ii) (b) पर 3.72 हैक्टेयर अपलोड कर दी गयी है ।
9.	What is the status of widening before and after the proposed stretch need to be clarified.	प्रस्तवित मार्ग निर्माण का कार्य विधमान Alignment में ही किया जाना प्रस्तवित है ।
10.	Area calculation sheet needs to be provided.	वांछित जानकारी ऑनलाइन आवेदन के additional information में अपलोड कर दी गयी है
11.	When was the existing road constructed? If after 1980 and permission was not taken under FCA, then the proposal should include the area of existing road as well and in this scenario action needs to be initiated in accordance with clause 1.21 of FCA guidelines.	Toposheet No. 55 B/9 ऑनलाइन प्रकरण भाग-1 के बिंदु क्र. C (iii) में वर्ष 1978 कि Toposheet में यह मार्ग दर्शाया गया हैं, जिससे स्पष्ट है की यह मार्ग 1980 से पूर्व का है जिसकी प्रतिलिपि संलग्न हैं ।

संलग्न: उपरोक्तानुसार ।


 संभागीय प्रबंधक
 एमपीआरडीसी, संभाग-1, भोपाल

कार्यालय प्रधान मुख्य वन संरक्षक (कक्ष भू-प्रबंध), सतपुड़ा भवन, मध्यप्रदेश, भोपाल
क्रमांक/एफ-5/1198/2022/10-11/1494 भोपाल, दिनांक 12/04/23
प्रति,

संभागीय प्रबंधक,
मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम, भोपाल, मध्यप्रदेश।

विषय:- सीहोर जिले में सिद्धीकगंज-हाटपिपलिया मार्ग उन्नयन/चौड़ीकरण हेतु 3.720 हेक्टेयर वनभूमि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम भोपाल को उपयोग पर देने बाबत।

संदर्भ:- भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल का पत्र क्रमांक/6-MPB 002/2023-BHO दिनांक 31.03.2023

—0—

उपरोक्त संदर्भित पत्र का अवलोकन करने का कष्ट करें, त्वरित संदर्भ हेतु छायाप्रति संलग्न है। भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल ने विषयांकित प्रकरण की सैद्धांतिक स्वीकृति जारी करने के पूर्व 11 बिन्दुओं पर जानकारी चाही गई है।

अतः भारत सरकार के चाहे अनुसार जानकारी शीघ्र इस कार्यालय को वन मण्डलाधिकारी के माध्यम से भिजवायें, ताकि प्रकरण में सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त करने की कार्यवाही की जा सके।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार।


(सुनील अग्रवाल)

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध)
मध्यप्रदेश, भोपाल

पृ. क्रमांक/एफ-5/1198/2022/10-11/1495
प्रतिलिपि:-

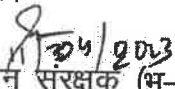
भोपाल, दिनांक 12/04/23

1. मुख्य वन संरक्षक, (क्षेत्रीय) भोपाल वृत्त, भोपाल, मध्यप्रदेश।

2. वन मण्डलाधिकारी, सामान्य वनमण्डल, सीहोर, मध्यप्रदेश।

की ओर उपरोक्त संदर्भित पत्र की छायाप्रति संलग्न कर लेख है कि आवेदक संस्थान से जानकारी प्राप्त कर एकजाई जानकारी इस कार्यालय को भिजवायें।

संलग्न:-उपरोक्तानुसार।


प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध)
मध्यप्रदेश, भोपाल

I/40363/2023



भारत सरकार / GOVERNMENT OF INDIA

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST & CLIMATE CHANGE

एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल / INTEGRATED REGIONAL OFFICE, BHOPAL

Kendriya Paryavaran Bhavan, Link Road No.3, E-5, Ravi Shankar Nagar,

BHOPAL - 462016 (M.P.)

TEL: 0755-2466525 E-mail: rowz.bpl-mef@nic.in



क्रमांक: 6-एमपीबी 002/2023-बीएचओ/
प्रति,

दिनांक : 31.03.2023

प्रधान सचिव (वन)

मध्यप्रदेश शासन,

वल्लभ भवन, भोपाल,

(मध्यप्रदेश)।

विषय: सीहोर जिले में सिद्धीकांज-हाटपिपलिया मार्ग उन्नयन/चौड़ीकरण हेतु 3.720 हेक्टेयर आरक्षित एवं संरक्षित वनभूमि मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम भोपाल को उपयोग पर देने बाबत।

संदर्भ: नोडल अधिकारी, मध्यप्रदेश का पत्र क्रमांक एफ-5/1198/2022/10-11/187 दिनांक 12/01/2023.

महोदय,

उपरोक्त विषयक एवं संदर्भित पत्र के संदर्भ में अधोहस्ताक्षरी को यह सूचित करने का निर्देश हुआ है कि प्रस्ताव से संबंधित अन्य वांछित जानकारी/स्पष्टीकरण की आवश्यकता है। अतः निम्नलिखित जानकारी/वस्तावेज प्रेषित करने का कष्ट करें :-

1. Full KML file of layout plan of forest area and non forest area of road need to be submitted.
2. Details of NFL involved in project need to be submitted.
3. Detailed muck disposal scheme need to be submitted.
4. Justification for location of the project in forest land (counter signed by DFO) need to be submitted/uploaded.
5. No objection certificates of concerned department (Railway, WRD, TL, etc) need to be submitted.
6. Road side plantation scheme needs to be submitted.
7. Administrative approval needs to be submitted.
8. As per DSS analysis, KML is not properly marked along with the existing road. For some areas the KML is shifted outside of the existing road. This needs to be Clarified.
9. What is the status of widening before and after the proposed stretch need to be clarified.
10. Area calculation sheet needs to be provided.
11. When was the existing road constructed? If after 1980 and permission was not taken under FCA, then the proposal should include the area of existing road as well and in this scenario action needs to be initiated in accordance with clause 1.21 of FCA guidelines.

भवदीय

(हरे राम कुमार)

तकनीकी अधिकारी (वानिकी)

प्रतिलिपि: प्रधान मुख्य वन संरक्षक (भू-प्रबंध) एवं नोडल अधिकारी, मध्यप्रदेश शासन, सतपुडा भवन, भोपाल।

Signed by Hare Ram Kumar

Date: 31-03-2023 12:52:35

Reason: Approved

ओपाल (म.प्र.)

एम.पी.आर.डी.सी. संभाग क्र. 1

संभागीय प्रबंधक

जिला - सीहोर (म.प्र.)

सामान्य वन भंडल,

वनमंडलाधिकारी,

वन भूमि के व्यवर्तन के आचिन्त्य सहित प्रेषित है।

अतः उक्त मार्ग के निर्माण हेतु वन भूमि का व्यवर्तन किया जाना ही एक मात्र विकल्प है जो

उपरोक्तानुसार समस्याओं के निराकरण हेतु निश्चित हैकटेयर वन भूमि की आवश्यकता होगी।

कार्य हेतु निरीक्षण किया गया तदनुसार मार्ग के कुछ स्थलों पर वन भूमि प्रभावित हो रही है।

अतएव उपरोक्त आचिन्त्य को दृष्टिगत रखते हुए मौके पर इस मार्ग के चौड़ीकरण एवं उन्मथन

एवं अत्याधुनिक घुमावों के कारण दुर्घटना की संभावना बनी रहती है।

ही महत्वपूर्ण है। मार्ग का उन्मथन कार्य दृष्टि भी जरूरी है की दैनिक गजरने वाले वाहनों को सफाई रास्ते

की वृद्धि को दृष्टिगत रखते हुए एवं जिले के छोटे कस्बे एवं कस्बों एवं ग्रामों को जोड़ने के लिए अत्यंत

सिद्दीकांज - हाटपिपलिया (0+000 से 20+900) मार्ग का उन्मथन कार्य सीहोर जिले में दृष्टिक

निम्नानुसार है।

व्यवर्तन प्रस्तावित है। प्रस्तावित वन भूमि परियोजना निर्माण हेतु उपयोग में लिए जाने का आचिन्त्य

हाटपिपलिया (0+000 से 20+900) पर कार्य किया जाना है जिसमें लगभग 3.72 हैकटेयर वन भूमि

विकास कार्य उन्मथन कार्य किया जाना प्रस्तावित है जिसके अंतर्गत सीहोर जिले में सिद्दीकांज -

मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा स्टेट हाइवे (SH) एवं मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड (MDR) का

वन भूमि में परियोजना लगाने का आचिन्त्य (Justification)

☎ : (ऑफिस) 0755-2597290/2765205, फैक्स : 0755-2572643, वेबसाइट : mprdc.gov.in

45-ए, अरेरा हिल्स, ओपाल-462011

(म.प्र. शासन का उपक्रम)

(म.प्र. राज्य राजमार्ग प्राधिकरण)

मध्यप्रदेश रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि.

CIN : U45203MP2004SGC016758



COST OF TRAFFIC SIGNS, MARKINGS & OTHER ROAD APPURTENANCES

5182623.00

6. HORTICULTURE

B	C	D	E	F	G	H
11.9	Planting of Trees and their Maintenance for one Year (Planting of trees by the road side (Avenue trees) in 0.60 m dia holes, 1 m deep dug in the ground, mixing the soil with decayed farm yard/sludge manure, planting the saplings, backfilling the trench, watering, fixing the tree guard and maintaining the plants for one year) (10 Trees for each tree being cut)	each	2548.80	570	1452816.00	

8.19	G.I Barbed wire Fencing 1.2 metre high Providing and fixing 1.2 metres high G.I barbed wire (weighing 9.38 kg per 100 mts.) fencing with 1.8 m angle iron posts 40 mm x 40 mm x 6 mm placed every 3 metres center to center founded in M15 grade cement concrete, 0.6 metre below ground level, every 15th post, last but one end post and corner post shall be struted on both sides and end post on one side only and provided with 3 horizontal lines and 2 diagonals interwoven with horizontal wires, fixed with G.I staples, turn buckles etc complete as per clause 808	M	7646.40	222	1697500.80	
------	-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------	---	---------	-----	------------	--

PLANTATION PLAN

1. INTRODUCTION

Due to the proposed development, some of the existing trees are to be felled. To offset this impact, compensatory afforestation programme through Avenue plantation has been prepared, based upon the experiences of successful implementation of several ongoing and completed projects.

2. OBJECTIVE

The main objectives are as follows:

- Reducing the impacts of air pollution
- Natural noise barrier
- Arrest of land erosion
- Prevention of vehicle glare from vehicles coming from opposite direction
- Enhancement of aesthetic view of the corridors
- Climatic amelioration
- Defining of ROW especially at sharp curves during night

3. SPECIES SELECTION

Grasses, shrubs and trees are the main species that are readily available in India. Wherever possible, the use of non-native species should be avoided since they can out compete and displace native plants leading to loss of native biodiversity. To maximise the chances of success of survival of species, selection of species shall be done according to environmental conditions of the project site. Care should also be taken to select species with root systems that match the nature of the soil movement at the project site. Homogenous avenues of trees should be selected for long stretches as it provides aesthetic qualities in the landscaping. One should also consider the economic and other social benefits while selecting the species for plantation. During the selection of species, preference should be given towards rapid growing, pollution tolerant and pest & disease resistant species. Shrub species, which are dwarf

and pollution tolerant, are to be planted in the median to prevent the glare of traffic moving in opposite direction. Flowering, ornamentals plants and climbers can also be planted in urban areas to provide beauty. For this purpose, the species may be decided by interaction with local forest authority and local populace. Few species are recommended in the table below.

Table 1: Species Recommended

Scientific name	Common Name	Reason
<i>Ailanthus excelsa</i>	Maharukh / Adu Neem	Pollution Sink, Noise Barrier
<i>Alstonia scholaris</i>	Saptaparni	Pollution Sink, Aesthetic Value, Medicinal Value
<i>Azadirachta indica</i>	Neem	Noise barrier, Pollution sink, Economic & Medicinal Value
<i>Bombax ceiba</i>	Semal	Aesthetic Value, Economic Value
<i>Butea monosperma</i>	Dhak	Aesthetic value, Pollution sink
<i>Calistemon viminalis</i>	Bottle Brush	Aesthetic value, Pollution Sink
<i>Cassia fistula</i>	Amaltas	Landscaping, Flowering plant, Pollution sink, Medicinal Value
<i>Dalbergia sissoo</i>	Sheesham	Economic Value, Pollution Sink
<i>Ficus bengalensis</i>	Bargad	Noise barrier, Pollution sink, Medicinal Value & Religious value
<i>Ficus religiosa</i>	Peepal	Noise barrier, Pollution sink, Religious values
<i>Melia azedarach</i>	Bakain	Noise Barrier, Pollution Sink, Economic and Medicinal Value
<i>Moringa oleifera</i>	Sahajana	Economic Value, Medicinal value
<i>Pongamia pinnata</i>	Karanj	Economic and Medicinal Value
<i>Syzygium cumini</i>	Jamun	Pollution sink, Economic Value
<i>Tamarindus indica</i>	Imli	Noise barrier, Pollution sink, Economic & Medicinal Value
<i>Tecomella undulata</i>	Rohira	Aesthetic Value, Economic and Medicinal Value
<i>Terminalia arjuna</i>	Arjun	Noise barrier, Pollution sink, Medicinal Value

4. TASKS OF THE CONTRACTOR/ CONCESSIONAIRE

As part of this project implementation, the contractor/ concessionaire shall plant and maintain flowering, shade, medicinal, ornamental & fruit bearing trees in suitable area for which cost has been budgeted besides planting and maintenance of ornamental, medicinal & flowering plants and shrubs in the median for which cost has also been budgeted. The specific roles and responsibilities of the Contractor/Concessionaire include:

- Identification of the plantation stretches with NHAI and / or Consultant.
- Identification of nursery area and preparation of nurseries
- Planting of saplings in the nurseries during the construction period so that the saplings are a minimum 24 months old.
- Replantation of old saplings to the plantation stretches.
- Maintenance for three years including watering, removal of weed, litter and debris from the vicinity of the plantation.
- Ensure the protection of the tree guards provided to the saplings from trampling and browsing by the cattle.

5. GUIDELINES FOR HORTICULTURE PLANTATION AND LANDSCAPING

5.1. General

5.1.1. Scope

Contractor/ Consultant to furnish all materials, labour and related items necessary to complete the work indicated on drawing and specified herein.

5.1.2. Materials

Plant Materials

- Plant Materials shall be well formed and shaped true to type, and free from disease, insects and defects such as knots, sun-scaled, windburn, injuries, abrasion or disfigurement.
- All plant materials shall be healthy, sound, vigorous, free from plant diseases, insects, pests of their eggs, and shall have healthy, well-developed root systems. All plants shall be hardy under climatic conditions like native species of the project area. Plants supplied shall confirm to the names listed on the plant list provided above. Besides these plant species, the Contractor/ Concessionaire shall supply other species as desired by the landscaping specialist and or the environmental specialist of the consultant. Under no circumstances, non-native species which might have a negative impact on the ecology of the area shall be permitted. No plant material will be accepted if branches are damaged or broken. All material must be protected from the sun and weather until planted.
- Any nursery stock shall have been inspected and approved by the Environmental Specialist of the Consultant.
- All plants shall conform to the requirements specified in the plant list. Except that plants larger than specified may be used if approved but use of such plants shall not increase the contract

price. If the use of the larger plant is approved, the spread of roots or ball of earth shall be increased in proportion to the size of plant. Deliver plants with legible identification labels.

Topsoil (Good Earth)

- Topsoil or good earth shall be a friable loam, typical of cultivated topsoil of the locality containing at least 2% of decayed organic matter (humus). It shall be taken from a well-drained arable site. It shall be free of subsoil, stones, earth skids, sticks, roots or any other objectionable extraneous matter or debris. It shall contain no toxic material. No topsoil shall be delivered in a muddy condition. It shall have pH value ranging in between 6 to 8.5.

Fertilizer

- Measurement of sludge shall be in stacks, with 8% reduction for payment. It shall be free from extraneous matter, harmful bacteria, insects or chemicals (Subjected to safety norms).

Root System

- The root system shall be conducive to successful transplantation. While necessary, the root-ball shall be preserved by support with Hessian or other suitable material. On soils where retention of a good ball is not possible, the roots should be suitably protected in such a way that the roots are not damaged.

5.1.3. Condition

Trees and shrubs shall be substantially free from pests, diseases and shall be materially undamaged. Torn or lacerated roots shall be pruned before dispatch. No roots shall be subjected to adverse conditions such as prolonged exposure to drying winds or subjection to water logging between lifting and delivery.

5.1.4. Supply and Substitution

Upon submission of evidence that certain materials excluding the plant Species prescribed are not available at time of contract, the Contractor/ Concessionaire shall be permitted to substitute with an equitable adjustment of price. All substitutions shall be of the nearest equivalent species and variety to the original specified and shall be subjected to the approval of the Environmental Specialist of the Consultant.

5.1.5. Packaging

Packaging shall be adequate for the protection of the plants to avoid heating or drying out.

5.1.6. Marking

Each specimen of tree and shrub or each bundle shall be legibly labelled with the following particulars:

- Its name
- The name of the supplier, unless otherwise agreed.
- The date of dispatch from the nursery.

5.2. Plantation Pattern

The type of plantation would be based upon the requirements and the feasibility of the sites along the project corridor. The availability of the space in the RoW is a major guiding factor for landscaping.

The plantation pattern to be followed is:

- The first row of plants along the highways will be of small to medium height plants planted at a spacing of 2m c/ c and the distance from the second row should be 3m. The second row should be in staggered. The distance from the toe of the embankment should be 1m minimum and the height should be between 2m to 3m.

For special landscaping, embankment slopes and ground cover, herbaceous species to be used. Turfing to be done by grass.

5.3. Tree Planting

5.3.1. Plants and Shrubs

Trees should be supplied with adequate protection as approved. After delivery, if planting is not to be carried out immediately, balled plants should be placed back to back and the ball covered with sand to prevent drying out. Bare rooted plants can be heeled in by placing the roots in prepared trench and covering them with earth, which should be watered into, avoid air pockets round the roots and shrubs shall be planted with the approval of Environmental Specialist of Consultant.

5.3.2. Digging of Pits

Tree pits shall be dug a minimum of three weeks prior to backfilling. The pits shall be 120 cms in diameter and 120 cms deep. While digging the pits, the top soil up to a depth of 30 cms may be kept aside, if found good (depending upon site conditions), and mixed with the rest of the The side of the pit shall be replaced with the soil mixture as specified further herein. If the soil is normal it shall be mixed with manure; river sand shall be added to the soil if it is heavy. The bottom of the pit shall be forked to break up the subsoil.

1.1.1. Back Filling

The soil for backfilling shall be watered thoroughly and gently pressed down, a day before planting, to make sure that it may not further settle down after planting. The soil shall be pressed down firmly by treading it down, leaving a shallow depression all-round for watering.

1.1.2. Planting

No tree pits shall be dug until final tree position has been pegged out for approval. Care shall be taken that the plant sapling when planted is not buried deeper than in the nursery, or in the pot. Planting should not be carried out in waterlogged soil. Plant trees at the original soil depth; soil marks on the stem is an indication of this and should be maintained on the finished level, allowing for setting of the soil after planting. All plastic and other imperishable containers should be removed before planting. Any broken or damage roots should be cut back for sound growth.

The bottom of the planting pit should be covered with 50mm to 75mm of soil. Bare roots should be spread evenly in the planting pit; and small mound in the centre of the pits on which the roots are placed will aid on even spread. Soil should be placed around the roots, gently shaking the tree to allow the soil particles to shift into the root system to ensure close contact with all roots and prevent air pockets. Back filled soil should be firmed as filling proceeds, layer by layer, care being taken to avoid damaging the roots. The balance earth shall be filled in a mixture of 1:3 (1-part sludge to 3-part earth by volume) and 50gms potash, 50gms of Super Phosphate and 1 Kg. Neem oil cake. Aldrin or equivalent shall be applied every 15 days in a mixture of 5ml in 5 litres of water.

1.1.3. Staking

Newly planted trees must be held firmly although not rigidly by staking to prevent a pocket forming around the stem and newly formed fibrous roots being broken by mechanical pulling as the tree rocks.

The main methods of staking shall be:

- A single vertical stake, 900mm longer than the clear stem of the tree, driven 600mm to 900mm into the soil.
- Two stakes as above driven firmly on either side of the tree with a cross bar to which the stem is attached. It is suitable for bare- rooted or ball material.
- A single stake driven in at an angle at 45 degrees and leaning towards the prevailing wind, the stem just below the lowest branch being attached to the stake. Suitable for small bare- rooted or ball material.



- For plant material 3m to 4.5m high with a single stem, a three- wire adjustable guy system may be used in exposed situations.

The end of stake should be pointed and the lower part up to 1 m to 1.2 m should be coated with a non- injurious wood preservative allowing at least 150mm above ground level.

1.1.4. Tying

Each tree should be firmly secured to the stake to prevent excessive movement. Abrasion must be avoided by using a buffer, rubber or Hessian, between the tree and stake. The tree should be secured at a point just below its lowest branch, and just above ground level: normally two ties should be used for tree. These should be adjusted or replaced to allow for growth.

1.1.5. Watering


The Contractor/ Concessionaire through the Landscape Contractor should allow for the adequate watering of all newly planted trees and shrubs immediately after planting and he shall during the growing season, keep the plant material well-watered

1.1.6. Fertilising

Fertilising shall be carried out by application of rotation of the following fertilisers, every 15 days from the beginning of the monsoon till the end of winter:

- Sludge or organic well-rotted dry farmyard manure: 0.05 cum or tussle.
- Urea 25gm.
- Ammonium sulphate 25gm.
- Potassium sulphate 25gm.

All shrubs, which are supplied pot grown, shall be well soaked prior to planting. Watering in and subsequent frequent watering of summer planted container- grown plants is essential.


Divisional Manager
MPRD, D. D. Road

The activities are listed in table below-

Table 4: Proposed Activities Schedule for Avenue Plantation Plantation

Year	Month	Activities to be done	
1st Year	January-March	1	Surveying & cleaning of the area
		2	Digging of Pits
		3	Procurement of Angles Iron and barbed wire (or other fencing material), an erecting the fence
	April-June	4	Procurement of Tree guard
	July-Sept.	5	SMC work
	Oct-Dec.	6	Planting of Saplings
		7	Watering
	Jan -March	8.	Watering
Year	Month	Activities to be done	
2nd Year	April-June	1	Purchase of Farm yard manure
		2	Brick/iron etc. guard for 1 st row
		3	Plantation along the highway
		4	Filing up of Pits with Farm Yard manure and Soil
	July-August	1	Transportation of Plants
		2	Planting of Saplings
		3	Watering
		4	Weeding and hoeing
	September-November	1	Weeding and hoeing
		2	Watering 4 times a month
	December-February	1	Weeding and hoeing
		2	Maintenance

	March	1	Watering 4 times a month
Year	Month	Activities to be done	
3rd Year	April-June	1	Watering 6 times a month
	July-August	1	Casualty Replacement (20% of the total plants)
		2	Weeding
		3	Maintenance by Mali
	September-November	1	Watering 2 times a month
		2	Maintenance by Mali
	Dec.-Feb.	1	Maintenance by Mali
	March	1	Watering 4 times a month
		2	Maintenance by Mali
Year	Month	Activities to be done	
4th Year	April-March	1	Watering
		2	Casualty Replacement (10% of the total plants)
		3	Maintenance by Mali
Year	Month	Activities to be done	
5th Year	April-March	1	Watering
		2	Casualty Replacement (5% of the total plants)
		3	Maintenance by Mali


 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal-I

मध्यप्रदेश शासन
लोक निर्माण विभाग
मंत्रालय

क्रमांक एफ- 28/03/2018/19/यो/3207

भोपाल दिनांक 21/10/2021

प्रति,

प्रबंध संचालक

म.प्र. सड़क विकास निगम

45 -ए अरेरा हिल्स भोपाल

विषय:- एशियन विकास बैंक की सहायता से राज्य के राजमार्गों के उन्नयन हेतु परियोजना
"Madhya Pradesh Road Development Programme- " VI & VII" की
प्रशासकीय स्वीकृति में संशोधन बाबत।

संदर्भ:- आपकी टीप क्रमांक 735/पीओ/एमडीओएमओआरडीओसी/2021 दिनांक
21.06.2021

-0-

राज्य शासन एतद द्वारा मंत्री परिषद आदेश दिनांक 12 अक्टूबर 2021 के परिपालन
में एशियन विकास बैंक द्वारा दित पोषित मार्गों के उन्नयन हेतु प्रस्तावित परियोजना "Madhya
Pradesh Road Development Programme- "VI & VII" अंतर्गत नवीन राज्य
राजमार्ग/मुख्य जिला मार्गों का निर्माण/उन्नयन कार्य मध्यप्रदेश रोड डेव्लपमेंट कॉर्पोरेशन
लिमिटेड द्वारा संपादित कराये जाने की प्रशासकीय स्वीकृति में निम्नानुसार संशोधन किया
जाता है:-

1. विभागीय संक्षेपिका की कंडिका 1 (स) (परिशिष्ट-3) अनुसार 41 मार्गों को
विभिन्न कारणों से इस योजना में निर्माण संभव नहीं होने/आवश्यक नहीं होने के
कारण परियोजना से पृथक करने की स्वीकृति दी जाती है।
2. 41 मार्गों में से 24 मार्ग विभिन्न योजनाओं में लिये गये हैं एवं शेष 17 मार्गों
को लोक निर्माण विभाग के वार्षिक बजट में योजना मद में नियमानुसार लिए
जाने के प्रस्ताव का अनुमोदन किया जाता है।
3. परियोजना के तकनीकी मापदंड एवं कण्डिका 4(अ), (ब) एवं 6 के विवरण
अनुसार एडिटी के अनुबंध के अंतर्गत उन्नयन की कार्यान्तर स्वीकृति दी जाती है।

Page 2/27/Handwritten/130

Handwritten Signature
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

121

4. 60 मार्गों हेतु रुपये 6156 करोड़ राशि से एडीवी के निर्धारित मापदण्डों के अनुसार परियोजना के क्रियान्वयन हेतु लोक निर्माण विभाग को अधिकृत किया जाता है।
5. उपरोक्त संशोधनों के साथ एडीवी के अनुबंध अंतर्गत मूल ऋण अनुबंध की अवधि 30.11.2024 तक क्रियान्वयन का अनुमोदन किया जाता है।

सहपत्र:- 0

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार

(पी.सी. बारस्कर)

सचिव

म.प्र. शासन, लो.नि.वि.

भोपाल दिनांक 26/10/2024

पृ क्रमांक एफ-28/03/2018/19/यो / 3208
प्रतिलिपि:-

1. माननीय मंत्री जी लोक निर्माण विभाग के निज सचिव।
2. प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग भोपाल।

सहपत्र:- 0

सचिव

म.प्र. शासन, लो.नि.वि.

Monu Khat
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

एडीपी 6/7 परियोजना में सम्मिलित रोड मार्गों की जानकारी

स.क्र.	मार्ग का नाम	जिला	लंबाई (कि.मी.)	मार्ग श्रेणी
1	2	3	4	5
1	पोरसा - मेहगौश - लेण्डा - बतिया - पिछौर - जयदेवी (6 कि.मी. लंबाई E-W कॉरीडोर को छोड़कर) कुल लंबाई = 275.00 कि.मी.	निपड	77.4	विद्यमान राज्य राजमार्ग
2	इटवा - अमरपाटन - सतना - किरपातपुर - टिकुरी - सोमेश्वर - फरहद - शिरगौर - बघौटी - लालगाव - कटरा - नलीगढी - मऊगज - बईराडावर - तामरली - शिची - बौहारी (8 कि.मी. लंबाई सतना से किरपातपुर एन.एच. को छोड़कर) कुल लंबाई = 304.00 कि.मी.	सतना	29.8	विद्यमान राज्य राजमार्ग
3	बलियापुर (30 सोमा) समरिया - सीरा - गड्डा - किरपातपुर - किरपातपुर - हरदी - जवकपुर (सतना से सीमा) कुल लंबाई = 190.00 कि.मी.	सीरा	41	विद्यमान राज्य राजमार्ग
4	सागर - रहली - तंदुखेडा कुल लंबाई = 102.00 कि.मी.	सागर	42.2	विद्यमान राज्य राजमार्ग
5	नीहरी - पाटई - रानीगाढी - चिकली कुल लंबाई = 29.00 कि.मी.	जबलपुर	29.4	नवीन राज्य राजमार्ग
6	कालिंजर - चिनीर - छिम्क - गगवाई - बितरवार - इन्डा - बिलसोद - बितरवार - पुई - पश्चिम कॉरीडोर के 2 कि.मी. एन.एच. के अंतर्गत से सतना गांधीनगर - बिलरवार के 4 कि.मी. छोड़कर) कुल लंबाई = 124.00 कि.मी.	शिवपुरी	10.6	नवीन राज्य राजमार्ग
7	मरवाटडा - गिजयपुर - बरगुर - मरसुहा - सतना - सतना - जवकपुर - जवकपुर - अलीकनगर - ईरानगर कुल लंबाई = 123.00 कि.मी.	गुना, अलीकनगर	71	नवीन राज्य राजमार्ग
8	जिल्लीपुर - छपौहेडा - दरदोज - जवनर - सुपुर्गा - गजगापुर - बरवा - मुन्दरसी - पोलाइकला - बिलसोद - गधवापुर - जवकपुर कुल लंबाई = 167.00 कि.मी.	राजगढ़, राजापुर	21.7	नवीन राज्य राजमार्ग
9	मनोहर शान - जलवाडा - मुंगवाक - वडोद - कणगज - बटकिरा - त.रा. 46 जोड़ - मरसुदनगढ़ - नजीलवाट - बरसिया कुल लंबाई = 164.00 कि.मी.	गुना	39.4	नवीन राज्य राजमार्ग
10	ऊँरवाडा - पटारिया - मडाकोट - रहली - मोरपुर - देवरी - सहजपुर - पाटखेडी - साहवावर्त - प्रतापगढ़ - तदमगियालिया - भवपुर - बुनोमिया - पाटखेडी - पिपलियाकपेट - नौमियावरेली - एन.एच. 45 जोड़ कुल लंबाई = 189.00 कि.मी.	सयसेम	31.5	नवीन राज्य राजमार्ग
11	इटवा - अमरपाटन - सतना - कृपालपुर - टिकुरी - सोमेश्वर - फरहद - शिरगौर - बघौटी - लालगाव - कटरा - मऊगज - नईगढी - बहेराडावर - कभजी - शिची - बौहारी (सतना - कृपालपुर रा.से 8 कि.मी. लंबाई छोड़कर) कुल लंबाई = 304.00 कि.मी.	सतना, सीरा	73.4	नवीन राज्य राजमार्ग

[Signature]
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

एडीपी 6/7.परियोजना में सम्मिलित शोध मार्गों की जानकारी

स.क्र.	मार्ग का नाम	जिला	लंबाई (कि.मी.)	मार्ग श्रेणी
1	2	3	4	5
12	विदिशा-अहमदपुर-गढ़ी-गैरतगंज कुल लंबाई 13.60 कि.मी	रायसेन	18.6	नवीन राज्य राजमार्ग
13	गजरसपुर - देवउमरा - वेगमैगज - मुलानगंज - विजयगंज - टंडा - कंसली मंडलागंज कुल लंबाई = 111.00 कि.मी.	विदिशा तामर	59.9	नवीन राज्य राजमार्ग
14	सालाबरी - गुटारी - देवरी - गोरखपुर - गहलवान - शहरई - धीरापुर - गाडरवाडा कुल लंबाई = 66.00 कि.मी.	रायसेन	55.8	नवीन राज्य राजमार्ग
15	महाराजपुर-महजपुर-देववाडा-गाडरवाडा कुल लंबाई 42 कि.मी	तामर	42	नवीन राज्य राजमार्ग
16	पानी - बेलसिंहपुर - बरौदा - शाहपुर - विजय - गहलवान - गाडरवाडा - पंडरी - लखमनगंज - (कलसतार - गडडवाडा लंबाई 14 कि.मी. छोड़कर) कुल लंबाई - 229.06 कि.मी.	छिण्डोरी, अमरिया	53	नवीन राज्य राजमार्ग
17	गुजराह सागर - खंडा - कटुवाडा - गमगा - उवागंज - टोरी - बाला - गेलवाडी - गजपती - डोमरी - गनवार - खजुरा - मण्डला - देववाडा कुल लंबाई = 241.00 कि.मी.	तामर, मंडलागंजपुर	110.45	नवीन राज्य राजमार्ग
18	हरई - गहलवान - गमगा - गमगा - लुनवाडा - विजय - गहलवान - खंडा - गुलवाडी - अहमर - गुलवाडी - विजयपुर - देवरी - मुकलखमिना - गहलवान रोमा कुल लंबाई = 283.00 कि.मी.	देवरी	171.4	नवीन राज्य राजमार्ग
19	बडोत जंक्शन - कुण्डा - धावरी - चौरई - चौद - विजुवा - खमरवाडी - सावंली - श्रीवीरेंडा - विजुवा - साईखंडा - महासाठ रूतवा कुल लंबाई = 160.00 कि.मी.	छिंदवाडा	96.5	नवीन राज्य राजमार्ग
20	प्रतीसमंड रोड - गान्धेकरा - विरसा - भोजगंज - देवर - गजराडा - लाया - लखमपुर - लायवरी - सारंगिदनी - रामगढ़ी - गारांचीनी लिमला - समनापुर कुल लंबाई 24 कि.मी छोड़कर कुल लंबाई 122.00 कि. मी.	बलसोदा	52.2	नवीन राज्य राजमार्ग
21	समनापुर-गाडरवाडा मार्ग कुल लंबाई 22.50 कि.मी	छिण्डोरी	22.5	नवीन राज्य राजमार्ग
22	कृगडा पाटनिहा बरखेडा सातम मार्ग लंबाई 12.60 कि.मी	भोपाल	12.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
23	सेपरी सांगमखंडा मार्ग कुल लंबाई 13.60 कि.मी	सांगमखंडा	13.6	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग

(सूत्र. ए. खान)
रंग रसिंह (ला. वि. वि.)

[Signature]
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

एडीबी 6/7 परियोजना में सम्मिलित शेष मार्गों की जानकारी

स.क्र.	मार्ग का नाम	जिला	लंबाई (कि.मी.)	मार्ग श्रेणी
1	2	3	4	5
24	बैलासगंजी सांगलखेडा मार्ग कुल लंबाई 11.70 कि.मी.	होगंसबाद	11.7	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
25	अमरावती-भारतखेडा मार्ग कुल लंबाई 19.50 कि.मी.	रायसेन	17	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
26	अमरावती-भारतखेडा मार्ग कुल लंबाई 14.20 कि.मी.	रायसेन	14.6	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
27	बिकलांड रायसेन मार्ग कुल लंबाई 24.80 कि.मी.	रायसेन	24.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
28	खुजनेर गुलाबगढ़ मार्ग कुल लंबाई 22.80 कि.मी.	रायसेन	15.6	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
29	सिद्धिकान्त हट्टीपल्ला मार्ग कुल लंबाई 21.20 कि.मी.	सीहोर	21.2	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
30	भारतखेडा अमलाहा धामरा मार्ग कुल लंबाई 17.60 कि.मी.	सीहोर	17.6	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
31	सहरी रामशायद कुल लंबाई 35.20 कि.मी.	जिंदगा	35.2	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
32	मुन्नागिरा पीपलगाड़ा मार्ग कुल लंबाई 12.80 कि.मी.	जिंदगा	12.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
33	गोलावर इलाहाबाद मार्ग कुल लंबाई 26.55 कि.मी.	जिंदगा	26.55	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
34	अमरावती-भारतखेडा मार्ग कुल लंबाई 19.50 कि.मी.	रायपुर	39.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
35	रायपुर कपुलियान से सुपेडा भलुहा गहसाण मार्ग कुल लंबाई 20.00 कि.मी.	रीवा	15.35	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
36	बयासरी बनसूकली सीधी मार्ग कुल लंबाई 46.00 कि.मी.	रायसेन	46.4	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
37	सहरी रामनगर गुमरी सन्तार मार्ग कुल लंबाई 51.10 कि.मी.	गण्डला	51.1	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
38	मिना बुडी बरलाह रायसाराह खडवाडी जामादी महाराजगज बिलादा मायदा पानीद सावेर कुल लंबाई 29.30 कि.मी.	इन्दौर	28.9	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
39	जाबद मानपुर मार्ग कुल लंबाई 21.00 कि.मी.	अलीराजपुर	21.6	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
40	अलीराजपुर मधवाड मार्ग कुल लंबाई 57.00 कि.मी.	अलीराजपुर	57	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग

(स.क्र. 1-40)

Handwritten Signature
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

एडीडी 6/7 परियोजना में सम्मिलित शेष मार्गों की जानकारी

सं.	मार्ग का नाम	जिला	लंबाई (कि.मी.)	मार्ग श्रेणी
41	धाकवाडी- धातकुआ- लोनसरा- बोरलाय मार्ग कुल लंबाई 10.80 कि.मी.	गढ़वाली	10.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
42	नगडाह से लोआरे मार्ग कुल लंबाई 24.80 कि.मी.	सीधी	24.8	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
43	बगौद-जस्ता- पवई- मोहिन्दा- सेमरिया- अमरावाज- मार्ग का संपादन- मोहिन्दा- पवई खण्ड (एस एच.-62) कुल लंबाई 38.0 कि.मी.	पन्ना	38	विद्यमान मुख्य जिला मार्ग
44	रासीदा- गुराद- सोभारा- ऐतदा इमरिया- मिर्जा मार्ग कुल लंबाई 35.00 कि.मी.	मिर्जा	35	नवीन मुख्य जिला मार्ग
45	तामना- विन्दास मार्ग कुल लंबाई 12.00 कि.मी.	मिर्जा	12	नवीन मुख्य जिला मार्ग
46	महाडगंड से सहस्रनाम आवा मर - मन्हास (सुरंगना नदी मार्ग) कुल लंबाई 25 कि.मी.	मन्हास	25	नवीन मुख्य जिला मार्ग
47	गुराद- गढ़वाली मार्ग से शक्तिचल मार्ग कुल लंबाई 18.70 कि.मी.	गुराद	18.7	नवीन मुख्य जिला मार्ग
48	पेपरी से गुराद की छाया 'केशनगढ़ कुचरौली' मार्ग कुल लंबाई 16.00 कि.मी.	गुराद	16	नवीन मुख्य जिला मार्ग
49	मन्हास से लोआरे आवा जगदगंड- मन्हास- मिर्जा- जगदगंड मार्ग कुल लंबाई 62 कि.मी.	मन्हास	62.8	नवीन मुख्य जिला मार्ग
50	गुराद- मोहना मार्ग - सहस्रनाम मार्ग कुल लंबाई 24.40 कि.मी.	गुराद	24.4	नवीन मुख्य जिला मार्ग
51	बड़ीदा से गुराद की मार्ग कुल लंबाई 18.72 कि.मी.	गुराद	18.72	नवीन मुख्य जिला मार्ग
52	गुराद- दोमरा गंड - बगौद मिर्जास से मिर्जास मार्ग कुल लंबाई 70 कि.मी.	मिर्जास	70.5	नवीन मुख्य जिला मार्ग
53	बदला- रमरा- सीतापुर- गजगज मार्ग कुल लंबाई 42.00 कि.मी.	सीता	42	नवीन मुख्य जिला मार्ग
54	कपुरी - घघडा - चिठौली - सजवाली मार्ग कुल लंबाई 59.00 कि.मी.	सीधी	60	नवीन मुख्य जिला मार्ग
55	रेडन- रस्ताई- सिमरीलिया- मकराह- बडगड- बहापुर - उत्तीसगंड सीमा तक कुल लंबाई 30.00 कि.मी.	शिवासी	30	नवीन मुख्य जिला मार्ग
56	लपाटोला - एटना- लरना - लई- अहिरगांव- केशवनिवा मार्ग कुल लंबाई 52.60 कि.मी.	अनुपपुर	52.6	नवीन मुख्य जिला मार्ग
57	महाराज - मकराह की मार्ग कुल लंबाई 13.00 कि.मी.	मिर्जास	13	नवीन मुख्य जिला मार्ग

140

एडीबी 6/7 परियोजना में सम्मिलित शेष मार्गों की जानकारी

स.क्र.	मार्ग का नाम	जिला	लंबाई (कि.मी.)	मार्ग श्रेणी
1	2	3	4	5
58	समगापुर - बजगा मार्ग कुल लंबाई 25.00 कि.मी	झिण्डोरी	32	नवीन मुख्य जिला मार्ग
59	अजमेर-समगापुर-भरतपुर-सुभायल-चकदेही-खिन्हा मार्ग कुल लंबाई 73.80 कि.मी	गण्डला	73.8	नवीन मुख्य जिला मार्ग
60	दडरानी-दस-न-अजमेर-मिर्जा-खोदर-सिलावद मार्ग कुल लंबाई 14.4 कि.मी	दडरानी	14.4	नवीन मुख्य जिला मार्ग
योग			2303.75	

मिलमान राज्या राजमार्ग	4	190.4
नवीन राज्य राजमार्ग	17	963.35
मुख्य जिला मार्ग	39	1150
निरीक्षण एवं गुणवत्ता निगरान सलाहकार सेवाये		
योग	60	2303.8

६

१५

AREA CALCULATION SHEET

S.N.		Length (m)	Width (m)	Area (Ha)
1	Forest	6200	6	3.72
2	Non Forest	15000	6	9.0
Total		21200		12.72

Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

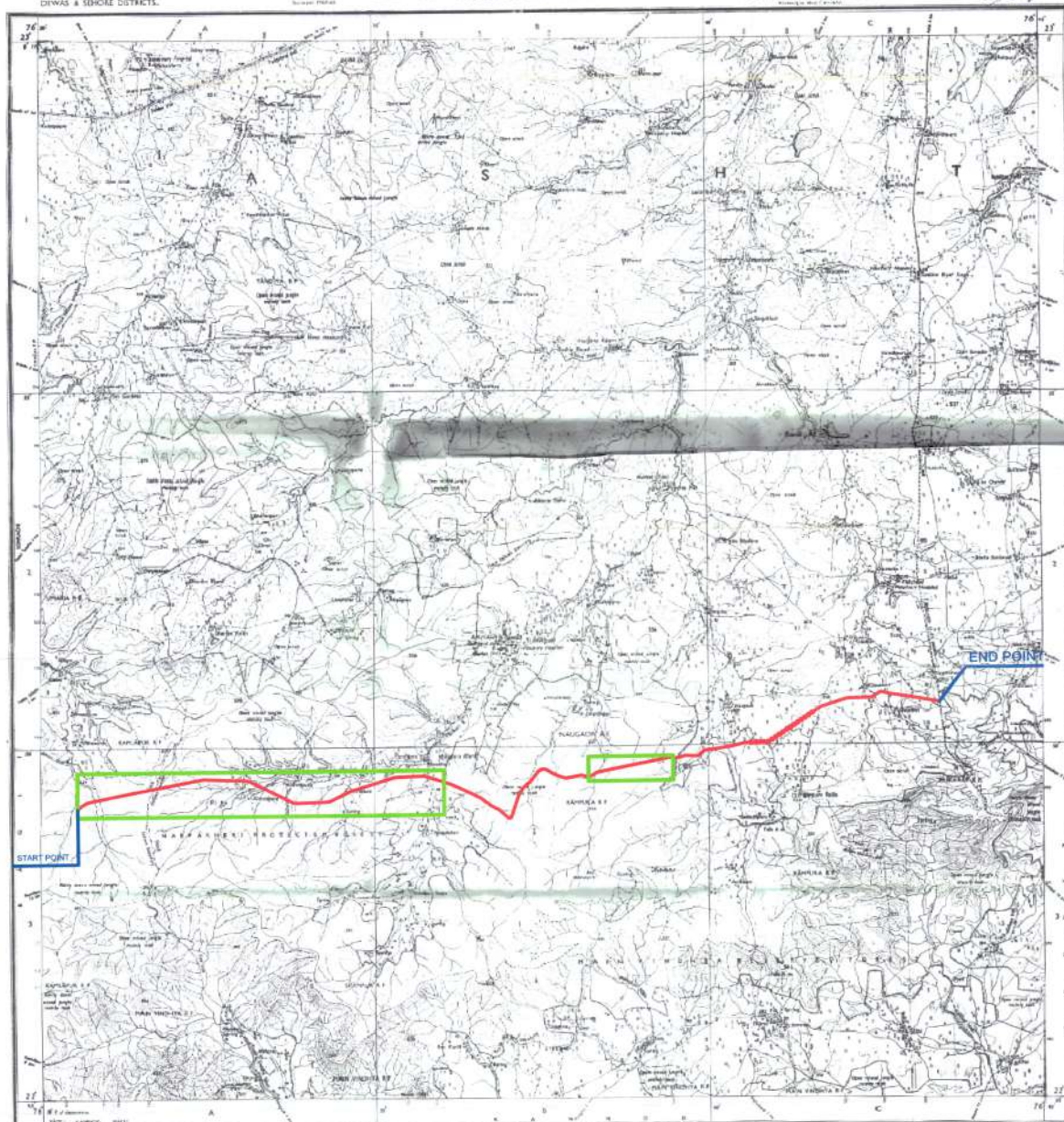
Proposed road	
Diversion of forest land	

File: **EG01001**

REFER TO THIS MAP AS - 150000
SHEET 15 B/9 FIRST EDITION

No. 55

MADHYA PRADESH



The 100 Most Popular Albums in America for 2006		The 100 Most Popular Songs in America for 2006	
Album	Artist	Song	Artist
1. <i>...to 100</i>	Timbaland	1. <i>...to 100</i>	Timbaland
2. <i>...to 100</i>	Timbaland	2. <i>...to 100</i>	Timbaland
3. <i>...to 100</i>	Timbaland	3. <i>...to 100</i>	Timbaland
4. <i>...to 100</i>	Timbaland	4. <i>...to 100</i>	Timbaland
5. <i>...to 100</i>	Timbaland	5. <i>...to 100</i>	Timbaland
6. <i>...to 100</i>	Timbaland	6. <i>...to 100</i>	Timbaland
7. <i>...to 100</i>	Timbaland	7. <i>...to 100</i>	Timbaland
8. <i>...to 100</i>	Timbaland	8. <i>...to 100</i>	Timbaland
9. <i>...to 100</i>	Timbaland	9. <i>...to 100</i>	Timbaland
10. <i>...to 100</i>	Timbaland	10. <i>...to 100</i>	Timbaland

ω_1^2	ω_2^2	ω_3^2
ω_1^2	ω_2^2	ω_3^2
ω_1^2	ω_2^2	ω_3^2

1:50,000
HIGHLIGHTS CONTOURS IN METERS

HEARTS & CROWN® THE BETTER

Divisional Forms Officer
Surrey Division, Surrey

[illegible]

REF ID: A66666
PAGE 11

Divisional Engineer
MPROD, Bhopal

Divisional Forest Officer
Sagar Division, Solapur

Write a description for your map.



[Signature]
Divisional Forest Officer
Sohore Division, Sohore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment II

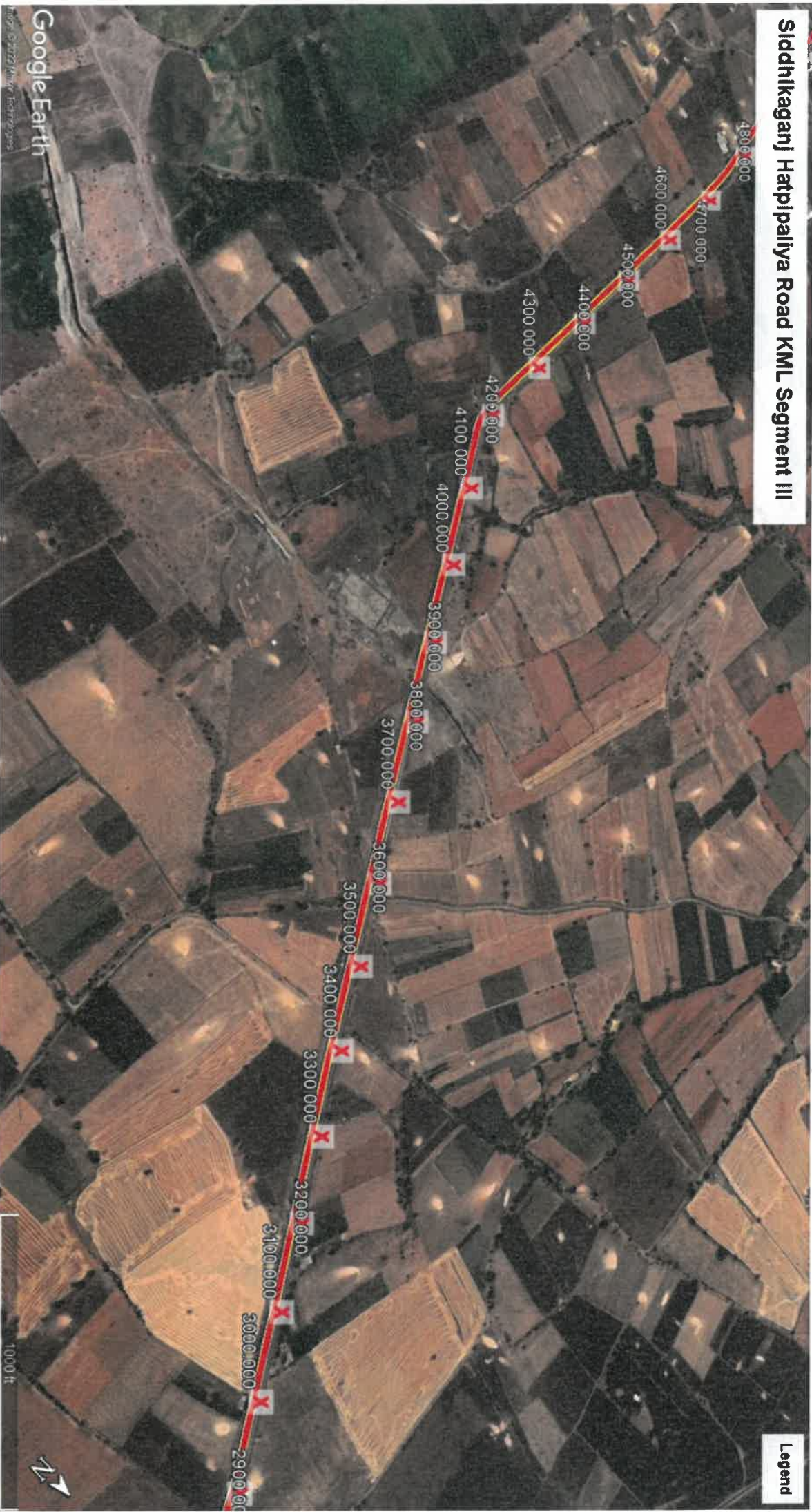
Write a description for your map.



Madhul
Manager
MPRDC, Bhopal

Dr. N. K. Singh
Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment III



Legend

Google Earth

Divyashree
 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal

Divyashree
 Divisional Forest Officer
 Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment IV



Legend

Handwritten signature
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

Handwritten signature
Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

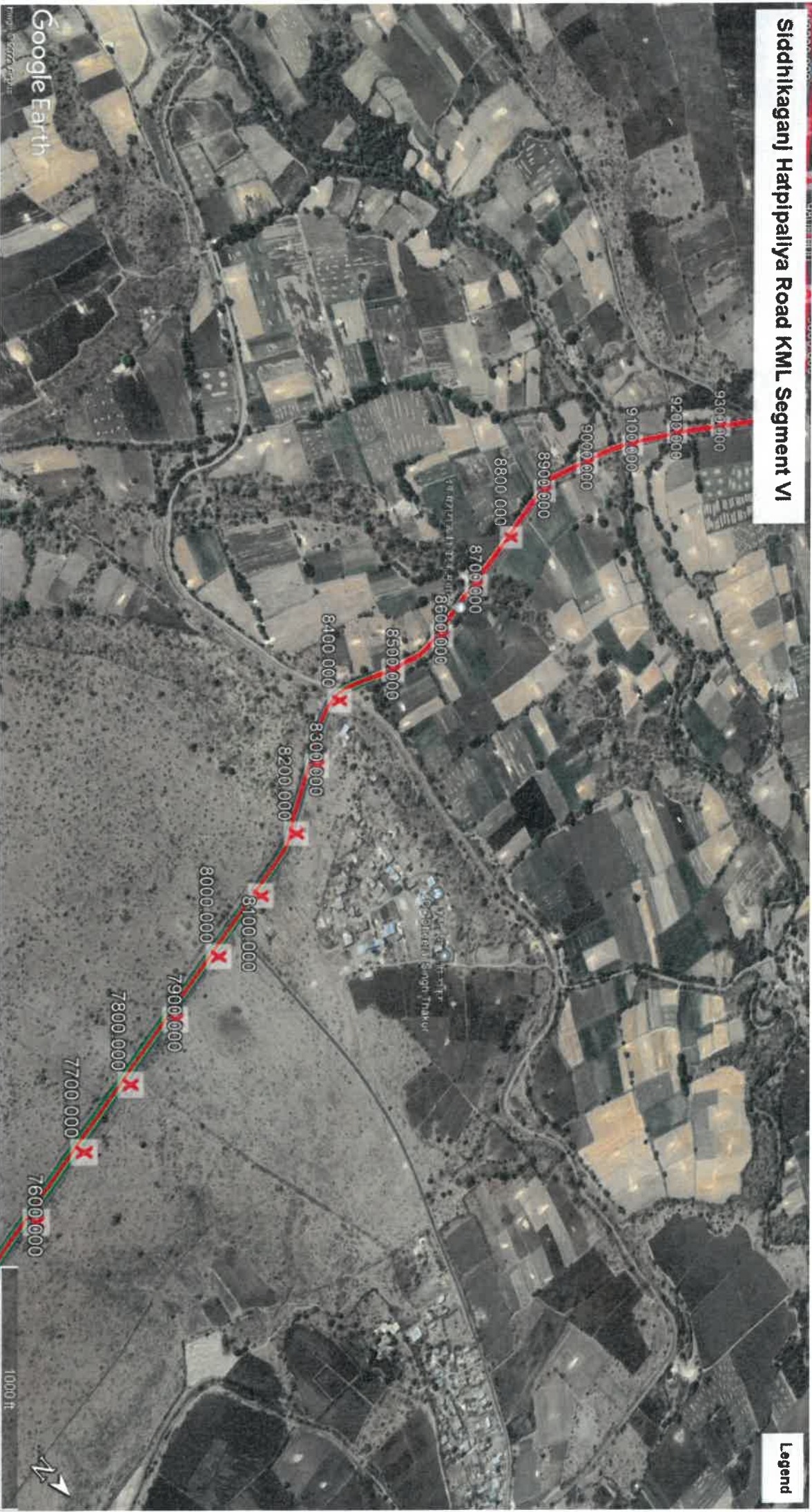
Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment V



Mohd Asghar
 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal

Anu
 Divisional Forest Officer
 Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpaliya Road KML Segment VI



Mud Heli
Manager
Divisional MPRDC, Bhopal

PSV
Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpaliya Road KML Segment VII



MAHAR
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

PRX
Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment VIII



Legend

MDK
 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal

MDK
 Divisional Engineer
 Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment IX



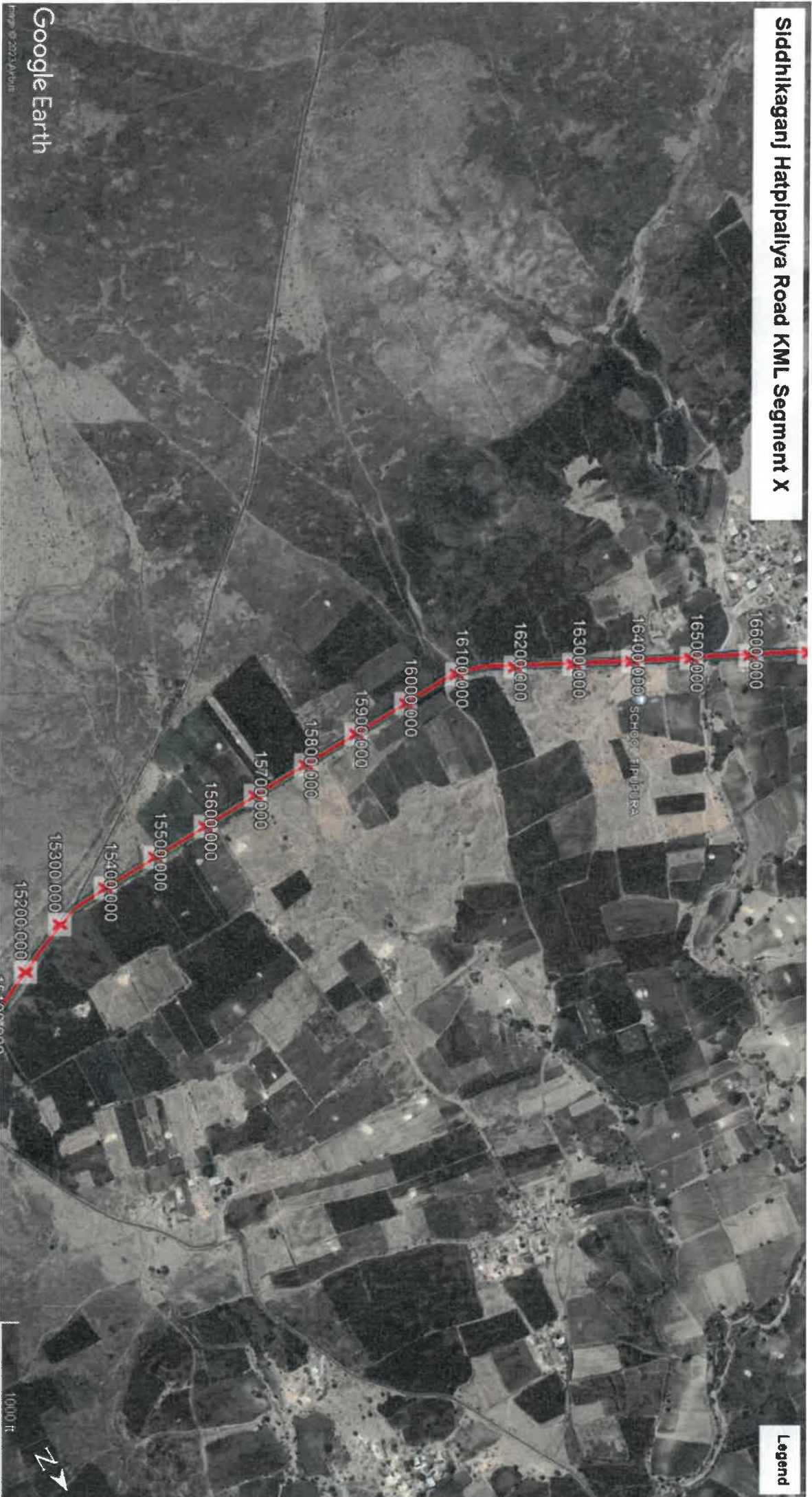
Legend

Google Earth

[Signature]
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

[Signature]
Divisional Forest Officer
Sohore Division, Sohore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment X



Madhukar
Divisional Manager
MPRDC, Bhopal

DN
Divisional Forest Officer
Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment XI



Handwritten Signature
 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal

Handwritten Signature
 Divisional Forest Officer
 Sauri Division, Sehore

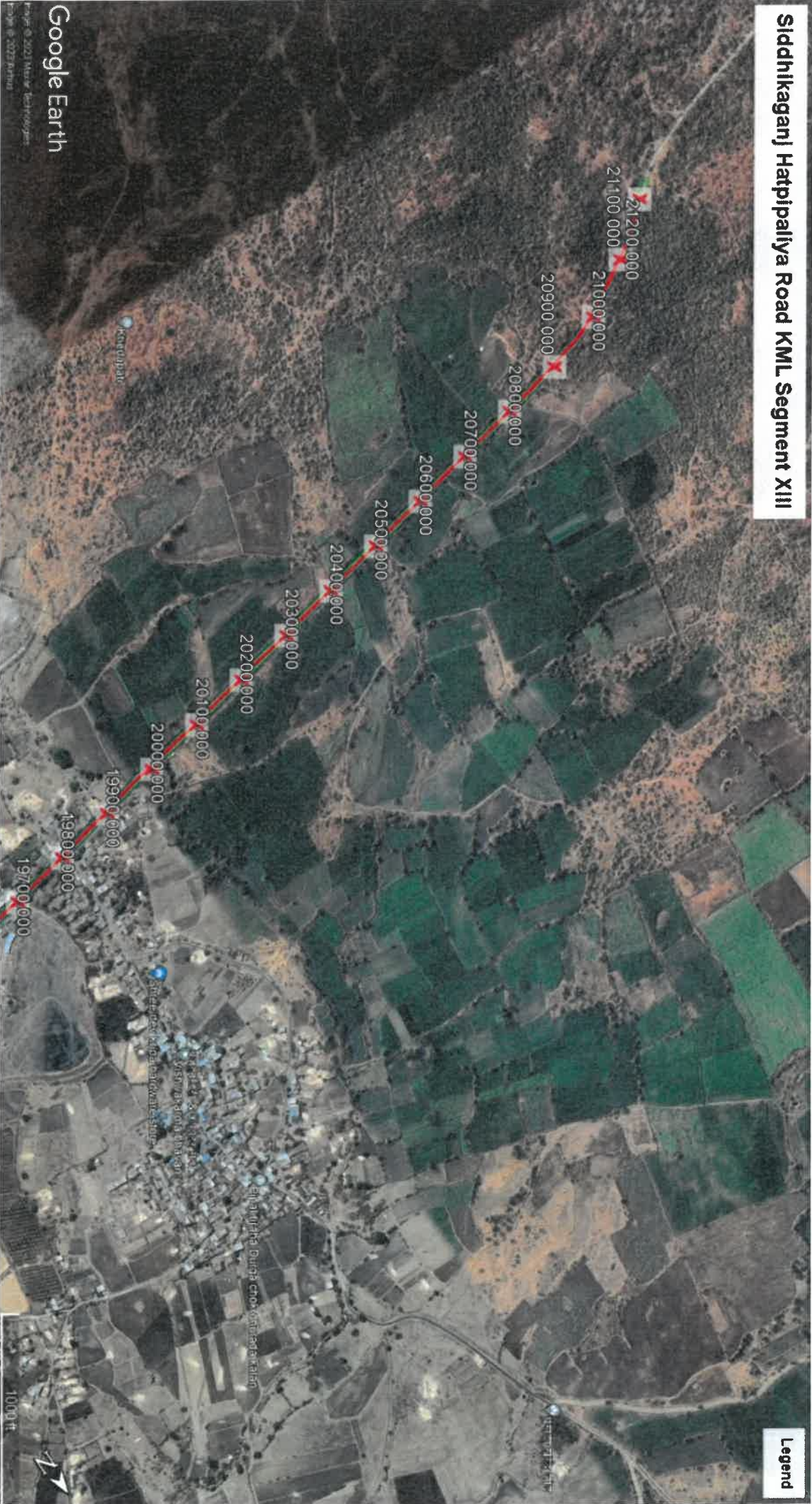
Siddhikaganj Hatpipaliya Road KML Segment XII



[Signature]
 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal

[Signature]
 Divisional Forest Officer
 Sehore Division, Sehore

Siddhikaganj Hatpaliya Road KML Segment XIII





 Divisional Manager
 MPRDC, Bhopal
 Divisional Forest Officer
 Sehore Division, Sehore